Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
October to December 2025, E-Journal, Vol. I, Issue LII (52), ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

कमार जनजाति की व्यवसाय उपभोग एवं जीवन स्तर पर उनका प्रभाव (धमतरी जिले के संदर्भ में)

डेकेश्वरी*

* शोधार्थी, पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,रायपुर (छ.ग.) भारत

सारांश:- प्रस्तुत अध्ययन 'कमार जनजाति की व्यवसाय उपभोग एवं जीवन स्तर पर उनका प्रभाव' (धमतरी जिले के संदर्भ में) के अध्ययन हेतु 256 कमार परिवारों का सॉलविन पद्धति द्वारा चयन किया गया जिसका उद्देश्य कमार परिवारों के आय एवं रोजगार की स्थिति का अध्ययन एवं कमार परिवारों के उपभोग की प्रवृत्ति का प्रभाव की जानकारी प्राप्त करना है। प्रत्यक्ष साक्षात्कार एवं अनुभव के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि इनकी आर्थिक स्थिति बहुत पिछड़ी हुई है। निदर्श कमार परिवारों की लिंग संरचना के विश्लेषण से यह ज्ञात होत है कि कुल निदर्श कमार परिवार की सदस्य संख्या 988 है जिसमें पुरूष 470 एवं महिला 548 है यह स्पष्ट है कि कमार परिवारों में पुरूष की संख्या से महिलाओं की संख्या अधिक है। इसी प्रकार कमार परिवारों में कुल 402 व्यक्ति अशिक्षित है एवं कुल 586 व्यक्ति शिक्षित है। पुरूषों की तुलना में महिलाएं अधिक शिक्षित है। इसी प्रकार उच्च शिक्षा की सुविधा गांवों में नहीं होने के कारण बच्चे पढ़ने के लिए गांव से बाहर नहीं जा पाते है इस कारण शिक्षा स्तर में कमी आई है। कमार परिवारों में कार्यशील व्यक्ति की कुल जनसंख्या 593 है, जिसमें पुरूष 292 (19.24 प्रतिशत) एवं महिला 301 (50.76 प्रतिशत) है। कमार परिवारों के मकानो का अध्ययन किया गया जिसमें पक्का मकान,79 (30.9 प्रतिशत) कच्चे मकान, 30 (11.79 प्रतिशत), 140 (54.7 प्रतिशत) मिश्रित मकान है तथा 07 (2.7) प्रतिशत के पास झोपड़ी के मकान है। 17.19 प्रतिशत कमार परिवार भूमि प्राप्त कर्ता है बल्कि 82.81 प्रतिशत कमार भूमिहीन है। निदर्श कमार परिवारों में कृषि एवं वनोपज व्यवसाय 42 (16.4 प्रतिशत) परिवारों की आय का मुख्य स्त्रोत है। मजदूरी (63.6 प्रतिशत), नौकरी (1.56 प्रतिशत)एवं बांस सिल्फ (18.36 प्रतिशत) है इससे यह ज्ञात होता है कि मजदूरी एवं वनोपज व्यवसाय से सबसे अधिक कार्य करते है। मासिक आय के आधार पर औसत विश्लेषण औसत आकार, परिवार की कुल आय, परिवार की औसत प्रति व्यक्ति आय के विश्लेषण ज्ञात होता है कि अधिक आय वर्ग की संख्या 0-100 आय वालों की है। इसी प्रकार 3000-500 आय वर्ग में। 0.39 प्रतिशत इस प्रकार अधिक आय वाले परिवारों की संख्या कम है। जो इसके पिछड़े एवं गरीबी के जीवन स्तर को बताता है। विभिन्न रोजगार के स्त्रोंतो से प्राप्त विश्लेषण से ज्ञात होता है कि कुल कमार परिवारों की कुल 15037 दिन का रोजगार प्राप्त होता है। प्रस्तुत शोध में कमार परिवारों की जीवन स्तर पर आय, रोजगार के प्रभाव का अध्ययन किया गया है। कमार परिवारों में रोजगार और आय में वृद्धि के साथ उनके उपभोग प्रवृत्ति के स्तर में वृद्धि हुई है, जिसका प्रभाव कमार परिवारों के पारिवारिक बजट में आधुनिकता का प्रभाव पड़ा है।

शब्द कुंजी- कमार, उपभोग, जनजाति, रोजगार, व्यवसाय, पारिवारिक, आय, साधन।

प्रस्तावना - जनजातियों की संस्कृति भारतीय समाज में भारतीय लोक संस्कृति का ही अभिन्न अंग है, भारत विविधताओं का देश है। यह विभिन्न सामाजिक व सांस्कृतिक समूहों का संगम स्थल रहा है। यह देश की भौगोलिक स्थिति देश की भिन्नताओं को प्रभावित करती है। जिसका प्रभाव उस क्षेत्र के निवासियों पर पड़ता है। अत: देश में एक ओर विभिन्न क्षेत्रों में अनेक ऐसे मानव समूह निवास करते है, जो सभ्य समाज से दूर जंगलों पहाड़ों एवं पठारी क्षेत्रों में निवास करते है। वे अत्यधिक पिछड़े हुए है जो कि वन्य जाति, आदिम जाति, आदिवासी एवंजनजाति के नामों से संबोधित किया जाता है। इस आशय से इन जनजातियों के नाम संविधान की पांचवी अनुसूची में सम्मिलित किए गए है। स्वतंत्रता के पश्चात् भारतीय संविधान में इन लोगों को अनुसूचित जनजाति का नाम दिया गया। दक्षिण अफ्रीका के बाद सर्वाधिक जनजातियों की जनसंख्या भारत में पाई जाती है।

सन् 1935 के अधिनियम के अनुसार जनजातीय जनसंख्या को भारत सरकार द्वारा इन्हें विशेष पिछड़ी जनजातियों के नाम से संबोधित किया गया है। इसी प्रकार सर ए. बेन्स ने इन्हें पर्वतीय जनजातियां (हिल ट्राइब्स) 'वन्य जाति' जंगल पीपुल्स, फॉरेस्टर ट्राइबन अथवा कोक कहा है। ऐसी जनजातियों या जनजातीय समुदायों के अंतर्गत भाग या समहे जिनहें संविधान के प्रयोजन के लिए अनुच्छेद 342 के अंतर्गत समझा जाता है। (1) आदिम विशेषताओं के संकेत (2)विशिष्ट संस्कृति (3) भौगोलिक एकीकरण (4) बड़े पैमाने पर समुदाय के साथ संपर्क में संकोच (5) पिछड़ापन इत्यादि।

जनजाति से अभिप्राय:- जनजाति से अभिप्राय ऐसे व्यक्तियों का समूही जो किसी निश्चित भू-भाग पर निवास करते है। विकास की दृष्टि से काफी पिछड़े हुए है। अनुसूचित जनजाति शैक्षणिक स्तर तथा परंपरागत व्यवसाय के आधार पर विभेद करना पड़ रहा है। भारत के संदर्भ में निम्न जातियों को सामाजिक रूप से पिछड़ी जातियां माना जा सकता है।

जनजाति शब्द की उत्पत्ति:- जनजाति शब्द की उत्पत्ति तथा अर्थ के बारे में अलग-अलग विचार धाराएं शामिल है। जनजाति शब्द की उत्पत्ति

अंग्रेजी शब्द (ट्राइब) से बना है, जिसका अभिप्राय रोमन भाषा (ट्राई) बुआ से बना है जिसका अर्थ होता है कि एक राजनीतिक इकाई सबसे पहले इस शब्द का प्रयोग इन सामाजिक समूहों के लिए किया गया है। जिसकी भाषा, सभ्यता एवं संस्कृति एक सामाजिक संगठन है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और मानव जीवन में सामाजिक आर्थिक दशाओं का प्राथमिक स्थान है जो कि जीवन का प्रमुख आधार है।

डॉ. डी .ए. मजूमदार (1939) के अनुसार जनजाति की परिभाषा निम्नलिखित ही है जिन जाति परिवारों में पारिवारिक वर्गो का समूह होता है जिनसे सदस्य एक साथ निश्चित भू-भाग पर काम करते है तथा कुछ निषेधाज्ञाओं का पालन करते है। साधारण तथा जनजाति अंतर्विवाह के सिद्धांत का समर्थन करते है।

नवगठित छत्तीसगढ़ राज्य की स्थापना 1 नवंबर 2000 लगभग एक तिहाई जनसंख्या 30.62 प्रतिशत अनुसूचित जनजातियों की है। संविधान के अनुच्छेद 342 के अंतर्गत राष्ट्रपति द्वारा छत्तीसगढ़ को आदिवासी क्षेत्र घोषित किया गया है। प्रदेश के 146 विकासखंडो में से 85 आदिवासी बाहुल्य विकासखंड है। कमार भारत सरकार के द्वारा घोषित विशेष पिछड़ी जनजातियों के रूप में मान्य किया गया है। ये जनजातियाँ (बैगा, कमार, अबुझमाड़िया, पहाड़ी कोरवा, खिरहोर) बाद में दो जनजातियों को विशेष पिछड़ी जनजाति के अंतर्गत शामिल किया गया है।

जिन दो जनजातियों को शामिल किया गया है उसके नाम भूंजिया, पंडो है जो राज्य सरकार द्वारा मान्य है। छत्तीसगढ़ में कमार जनजाति की कुल जनसंख्या जनगणना के अनुसार 926530 है जिसमें पुरूष जनसंख्या 13070, महिला जनसंख्या 14460 है । कमार जनजाति का संकेद्रण गरियाबंद, धमतरी एवं कसडोल में है। इस राज्य में इनका लिंगानुपात 1030 है जो राज्य के कुल लिंगानुपात का 989 प्रतिशत से अधिक है। जिनकी दशकीय वृद्धि 14.78 प्रतिशत रही। कमार जनजाति कुल साक्षरता 39.13 जिसमें पुरूष साक्षरता 23.70 प्रतिशत एवं महिला 15.43प्रतिशत है। कमार जनजाति अपनी उत्पत्ति मैनपुर विकासखंड के देवडोंगर ग्राम से बताते है। मुख्य व्यवसाय बांस के सूपा, टोकरी, कंदमूल एवं जंगली उपज का संग्रहण, आखेट कृषि कर आज भी आदिम अवस्था मे जीवन व्यतीत कर रहे है । कमार जनजाति क्रमश: पहाड़पटिया एवं बुंदराजिया में विभक्त है। केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के विकास कार्यक्रम, शिक्षा संचार यातायात एवं बाह्य सम्पर्को के कारण कमार जनजाति के लोगों के अभिमतों में परिवर्तन करने का प्रयास किया जा रहा है।

अध्ययन के उद्देश्य:-

1. कमार परिवारों के आय एवं रोजगार की स्थिति का अध्ययन
2. कमार परिवारों के उपभोग प्रवृत्ति का प्रभाव

अध्ययन की परिकल्पना:-

1. कमार जनजाति परिवारों की आर्थिक स्थिति में कोई सुधार नहीं है।
2. अधिकांश कमार परिवार गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रहे है।

शोध प्रविधि:- प्रस्तु शोध का आंकलन प्रत्यक्ष साक्षात्कार एवं अवलोकन के साथ प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों समंको पर आधारित है। कमार विकास अभिकरण एवं शासकीय अर्द्धशासकीय संस्थाओं द्वारा प्रकाशित प्रतिवेदनों की सहायता एवं शोध पत्रों को शामिल किया गया है।

अध्ययन का क्षेत्र:- प्रस्तुत अध्ययन क्षेत्र सॉलविन पद्धति विधि द्वारा कमार परिवारों को नगरी और मगरलोड विकासखंडों के 256 परिवारों का चयन किया गया है।

अध्ययन की सीमाएं:- प्रस्तुत अध्ययन के साक्षात्कार के उपरांत जनजातियों द्वारा समंक संकलन में प्रत्यक्ष सहभागिता का अभाव संकोची की प्रकृति अध्ययन की सीमाएं रही।

अध्ययन क्षेत्र का विश्लेषण:- तालिका

तालिका 1.1: कमार परिवारों की लिंग संरचना

क्र.	लिंग सरंचना	संख्या	प्रतिशत
1	पुरूष	470	47.57
2	महिला	518	52.43
	कुल	**988**	**100**

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

सारणी क्रमांक 1.1 में कमार परिवारों की लिंग संरचना के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कमार परिवारों की कुल सदस्य संख्या 988 है जिनमें पुरूषों की संख्या 470 (47.57 प्रतिशत) एवं महिला की संख्या 548 (52.53 प्रतिशत) है।

तालिका क्रमांक 1.2: कमार परिवारों की शैक्षणिक स्थिति

क्र.	शैक्षणिक स्तर	पु.	प्रति.	म.	प्रति.	कु.	प्रति.
1	अशिक्षित	159	39.53	243	60.45	402	100
2	साक्षर	21	38.89	33	61.11	54	100
3	प्राथमिक	168	53.67	145	46.33	313	100
4	माध्यमिक	80	51.61	175	48.38	155	100
5	हाईस्कूल	31	62	19	38	50	100
6	हायर सेकण्डरी	09	75	03	25	12	100
7	स्नातक	02	100	-	-	02	100
	कुल	**470**	**47.57**	**518**	**52.43**	**988**	**100**

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 1.2 के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कमार परिवारों में कुल 402 व्यक्ति अशिक्षित है एवं कुल 586 व्यक्ति शिक्षित में से 39.55 प्रतिशत पुरूष अशिक्षित एवं 60.45 प्रतिशत महिलाएं अशिक्षित है। इसी प्रकार कुल साक्षर व्यक्ति 54 है । जिसमें से 38.89 प्रतिशत पुरूष साक्षर तथा 61.11 प्रतिशत महिलाएं साक्षर है। कमार परिवारों में प्राथमिक शिक्षा का स्तर वाले व्यक्ति की संख्या 313 है जिसमें से पुरूष 168 (53.67 प्रतिशत) एवं महिलाएं 145 (46.33 प्रतिशत) है। माध्यमिक शिक्षा का स्तर वाले व्यक्ति की जनसंख्या 155 है जिसमें पुरूष 80 (51.61 प्रतिशत) एवं महिलाएं 75 (48.38 प्रतिशत) है । हाई स्कूल शिक्षा का स्तर वाले व्यक्ति की कुल जनसंख्या 50 है जिनमें से पुरूष 31 (62 प्रतिशत) एवं महिला 19 (38 प्रतिशत) है। हायर सेकण्डरी का स्तर वाले व्यक्ति की जनसंख्या 12 है जिनमें से पुरूष 09 (75 प्रतिशत) है। स्नातक शिक्षा का स्तर वाले व्यक्ति की कुल संख्या 02 है जिसमें पुरूष 02 (100 प्रतिशत) है । इस प्रकार यह ज्ञात होता है कि पुरूषों की तुलना में महिला कम शिक्षित है।

तालिका 1.3: कमार परिवारों में कार्यशील जनसंख्या का आकार

क्र.	निदर्श	कार्यशील जनसंख्या			अकार्यशील जनसंख्या		
		पु.	म.	कुल	पु.	म.	कुल
1	संख्या	292	301	593	178	217	395
2	प्रतिशत	49.24	50.76	100	45.06	54.94	100

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 1.3 के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कमार परिवारों में सदस्यों की कुल संख्या 988 है जिसके अंतर्गत निदर्श कमार परिवारों में कार्यशील व्यक्ति की कुल जनसंख्या 593 है जिसमें से पुरूष संख्या 292 (49.24 प्रतिशत), महिला की संख्या 301 (50.76प्रतिशत) है। इसी प्रकार कमार परिवारों में अकार्यशील व्यक्ति की कुल संख्या 178 (45.06 प्रतिशत), महिला की संख्या 217 (59.54प्रतिशत) है।

तालिका 1.4: कमार परिवार के मकान की संरचना

क्र.	मकान के प्रकार	संख्या	प्रतिशत
1	पक्का	79	30.9
2	कच्चा	30	11.7
3	मिश्रित	140	54.7
4	झोपड़ी	7	2.7
	कुल	**256**	**100**

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 1.4 के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कमार परिवारों की मकान स्थिति का अध्ययन किया गया है जिसमें कमार परिवारों में पक्का मकानों की संख्या 79 (30.9प्रतिशत) कच्चे मकानों की संख्या 30 (11.7 प्रतिशत) है। तथा मिश्रित मकानों की संख्या 140 (54.7 प्रतिशत) है, झोपड़ी मकानो की संख्या 7 (2.7 प्रतिशत) है। अत: यह स्पष्ट है कि कमार परिवारों में मिश्रित मकानों की संख्या सबसे अधिक है एवं सबसे कम झोपड़ी मकानों की संख्या है।

तालिका 1.5: कमार परिवारों के आवास में विद्युतीकरण

क्र.	विद्युतीकरण	संख्या	प्रतिशत
1	एकल बत्ती कनेक्शन	186	42.6
2	मीटर	50	19.6
3	विद्युतीकरण नहीं	20	7.8
	कुल	**256**	**100**

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 1.5 के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कमार परिवारों की कुल संख्या 256 है जिनमें 72.6 प्रतिशत कमार परिवारों के आवास में एकलबत्ती कनेक्शन लगा है जो शासन द्वारा प्रदान की गई है। 19.6 प्रतिशत कमार परिवारों के आवास में विद्युत मीटर लगा हुआ है, जबकि 7.8 प्रतिशत कमार परिवारों के आवास में विद्युतहीन है इन परिवारों को शासन की सुविधा का लाभ नहीं मिल पाया है। एकलबत्ती कनेक्शन सभी कमार परिवार को शासन द्वारा 40 यूनिट के उपभोग में छूट एवं शेष राशि भुगतान करने इस योजना के तहत 3 बल्ब ही जलाने है।

तालिका 1.6: कमार परिवारों में भूमि वितरण की स्थिति

क्र.	भूमि की स्थिति	परिवार की संख्या	प्रतिशत
1	भूमि प्राप्तकर्ता	44	17.19
2	भूमिहीन	212	82.8
	कुल	**256**	**100**

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 1.6 के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कमार परिवारों की कुल संख्या 256 है, जिसमें से शासन की योजनाओं द्वारा योजना के तहत प्रदान की गई भूमि का 17.19 प्रतिशत कमार परिवार भूमि प्राप्तकर्ता है बल्कि 82.81 प्रतिशत कमार परिवार भूमिहीन है। इससे यह स्पष्ट होता है कि बहुत से कमार परिवार शासकीय योजना से वंचित होने के कारण भूमिहीन है और आर्थिक स्थिति भी निम्न है।

तालिका 1.7: कमार परिवारों की व्यवसाय का मुख्य स्त्रोत

क्र.	मकान के प्रकार	संख्या	प्रतिशत
1	कृषि एवं वनोपज	42	16.41
2	मजदूरी एवं वनोपज	163	63.67
3	नौकरी	4	1.56
4	बांस सिल्फ एवं वनोपज	47	18.36
	कुल	**256**	**100**

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 1.7 के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कमार परिवारों में कृषि एवं वनोपज व्यवसाय 42 (16.41 प्रतिशत) परिवारों की आय का मुख्य स्त्रोत है। मजदूरी एवं वनोपज 163 (63.67 प्रतिशत), नौकरी 4 (1.56 प्रतिशत) एवं बांस सिल्फ 47 (18.36 प्रतिशत) कमार परिवारों की आय का स्त्रोत एवं व्यवसाय है। इस प्रकार यह ज्ञात होता है कि मजदूरी एवं वनोपज व्यवसाय से सबसे अधिक कार्य करने वाले परिवार है। दूसरा मुख्य व्यवसाय परंपरागत व्यवसाय बांस सिल्फ एवं वनोपज कार्य है, क्योंकि धीरे-धीरे वनोपज संग्रहण मुख्य व्यवसाय से सहायक व्यवसाय के रूप में कार्य करते है, धीरे-धीरे कमार परिवारों की आवश्यकता की वस्तुओं में वृद्धि होने लगी है जो वनोपज संग्रहण के कार्य से पर्याप्त नहीं हो पाता है इस कारण उन्हें मजदूरी कार्य के प्रति रूचि बढ़ने लगी है।

तालिका 1.8: कमार परिवारों की व्यवसाय का मुख्य स्त्रोत

क्र.	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	स्वयं के कृषि से प्राप्त आय	20666.67	7.30
2	मनरेगा से प्राप्त आय	124878.50	44.12
3	वनोपज संग्रहण से प्राप्त आय	59558.33	21.04
4	अन्य व्यवसाय से प्राप्त कुल आय	36450	12.88
5	शासकीय/अर्द्धशासकीय व्यवसाय से प्राप्त आय	41500	14.66
6	**कुल आय**	**283048.50**	**100**
7	प्रति परिवार आय	1105.66	-
8	प्रति व्यक्ति आय	286.49	-

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 1.8 में कमार परिवारों में विभिन्न स्त्रोतों से प्रात कुल मासिक आय (रू. में) के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि सारणी में कमार परिवारों के स्वयं के कृषि से प्राप्त आय, मनरेगा (मजदूरी) करने प्राप्त आय, वनोपज संग्रहण, अन्य व्यवसाय, शासकीय व्यवसाय से प्राप्त आय का विवरण प्रस्तुत किय गया है। कुल निदर्श कमार 256 परिवारों को विभिन्न स्त्रोतों से कुल आय 283048.50 रूपये मासिक आय प्राप्त होती है। जिसमें से स्वयं की कृषि से प्राप्त आय 20666.67 रूपये (7.30 प्रतिशत), मनरेगा (मजदूरी) से प्राप्त आय 124878.50 रूपये (44.12 प्रतिशत) मासिक आय प्राप्त होती है। वनोपज संग्रहण से प्राप्त आय 59558.33 रूपये (21.04 प्रतिशत), अन्य व्यवसाय से प्राप्त आय 36450 रूपये (12.88 प्रतिशत) तथा शासकीय/अर्द्धशासकीय व्यवसाय से प्राप्त आय 41500 रूपये मासिक आय है। इस प्रकार स्पष्ट है कि कमार परिवारों में प्रति परिवार आय 1105.66 रूपये मासिक है।

तालिका 1.9 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

तालिका क्रमांक 1.9 में कमार परिवारों की औसत आकार एवं मासिक आय वर्ग के आधार पर परिवार की संख्या परिवार की कुल सदस्य संख्या, परिवार का औसत आकार, परिवार की कुल आय, परिवार की औसत आय एवं औसत प्रति व्यक्ति आय के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि सर्वेक्षित 256 कमार परिवारों की आय वर्ग को 6 भागों में बांटा गया है। परिवार की अधिकतम संख्या 0-1000 आय वर्ग में सर्वाधिक परिवार की संख्या 185 (72.26 प्रतिशत) एवं सदस्यों की संख्या 65 (67.31 प्रतिशत) तथा परिवार का औसत आकार 3.5 है। 1000-2000 आय वर्ग में परिवार की संख्या 56 (21.88प्रतिशत) एवं सदस्यों की संख्या 258 (26.61 प्रतिशत) तथा परिवार का औसत आकार 4.6 है। 2000-3000 आय वर्ग के कमार परिवार की संख्या 10 (3.91 प्रतिशत) है, सदस्यों की संख्या 47 (4.76 प्रतिशत) एवं परिवार का औसत आकार 4.7 है। इसी प्रकार 3000-5000 आय वर्ग में परिवार की संख्या 01 (0.39 प्रतिशत) एवं सदस्यों की संख्या 4 (0.40 प्रतिशत) तथा परिवार का औसत आकार 4 है। इस प्रकार इन दोनों आय वर्ग में न्यूनतम परिवार की संख्या है। 10000 से अधिक आय वर्ग में परिवार की संख्या 03 (1.17 प्रतिशत), सदस्यों की संख्या 11 (1.17 प्रतिशत) एवं परिवार का औसत आकार 3.6 है।

तालिका 1.10: कमार परिवारों में विभिन्न स्त्रोतो से प्राप्त कुल रोजगार (दिनों में)

क्र.	विवरण	संख्या	प्रतिशत
1	मनरेगा से प्राप्त कुल रोजगार (दिनों में)	9027	60.03
2	गैर कृषि श्रम से प्राप्त कुल रोजगार (वनोपज) (दिनों में)	4084	27.16
3	स्वयं की कृषि से प्राप्त कुल रोजगार (दिनों में)	1926	12.81
4	समस्त स्त्रोतो से प्राप्त कुल रोजगार	15037	100
5	प्रति कार्यशील व्यक्ति रोजगार	25.36	-
6	प्रति परिवार रोजगार	58.74	-
7	प्रति व्यक्ति आय	45935	-

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 1.10 में कमार परिवारों विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त कुल रोजगार (दिनों में) के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि कमार परिवारों में मनरेगा से प्राप्त कुल रोजगार, कृषि श्रम से प्राप्त कुल रोजगार, स्वयं की कृषि से प्राप्त रोजगार का विवरण प्रस्तुत किया गया है। कुल कमार परिवारों को कुल 15037 दिन का रोजगार प्राप्त होता है जिनमें से मनरेगा से प्राप्त रोजगार 9027 (60.03 प्रतिशत) दिन है। गैर कृषि क्षेत्र से प्राप्त रोजगार 4084 (27.16 प्रतिशत) दिन स्वयं की कृषि से प्राप्त रोजगार 1926 (12.81 प्रतिशत) दिन कमार परिवारों में प्रति कार्यशील व्यक्ति रोजगार 25.36 दिन है। कुल निदर्श कमार परिवारों के प्रति परिवार रोजगार 58.74 दिन है एवं प्रति व्यक्ति रोजगार 5.10 दिन है।

तालिका 1.11 (अन्तिम पृष्ठ पर देखे)

तालिका क्रमांक 1.11 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि कमार परिवारों की कुल संख्या 256 है जिनमे से कमार परिवारों में 1000 आय वर्ग वाले परिवार खाद्य पदार्थ 37702.52 रू. (26.25 प्रतिशत) व्यय करते है। गैर खाद्य पदार्थ पर 104044.66 रू. (72.44 प्रतिशत) व्यय करते है तथा बचत (1.31 प्रतिशत) करते है। 1000-2000 आय वर्ग वाले खाद्य पदार्थ पर 1495.00 रू. (21.35 प्रतिशत) मासिक व्यय गैर खाद्य पदार्थ पर 535.26.23 (76.42 प्रतिशत) व्यय 2.23 प्रतिशत बचत करते है। 2000-3000 आय वर्ग वाले परिवार का खाद्य पदार्थ पर 4093.63 रू. (17.10 प्रतिशत) व्यय, गैर खाद्य पदार्थ पर 19199.34 रू. (80.20 प्रतिशत) व्यय एवं (2.70 प्रतिशत) बचत करते है। 3000-5000 आय वर्ग के परिवार खाद्य पदार्थ पर 429.94 रू. (8.52 प्रतिशत) व्यय, गैर खाद्य पदार्थ पर 2500.16 रू. (82.84 प्रतिशत) मासिक एवं (3.43 प्रतिशत) बचत करते है। 5000-10000 आय वर्ग समूह के परिवार खाद्य पदार्थ पर 672.01 रू. (8.52 प्रतिशत) मासिक व्यय, गैर खाद्य पदार्थ पर 6549.78 रू (83.04 प्रतिशत) एवं 8.44 प्रतिशत बचत करते है। 10000 रू. से अधिक आय वर्ग के परिवार का खाद्य पदार्थ पर 1787.96 रू (5.18 प्रतिशत) मासिक व्यय, गैर खाद्य पदार्थ पर 2949.78 रू (85.25 प्रतिशत) एवं 9.57 प्रतिशत बचत करते है। इससे यह स्पष्ट होता है कि जैसे-जैसे आय वर्ग में वृद्धि होती है। कमार परिवारों की खाद्य पदार्थो पर मासिक व्यय उपभोग व्यय की तुलना में गैर खाद्य पदार्थो पर मासिक व्यय अधिक है।

तालिका 1.12: कमार परिवारों की आवागमन के साधन

क्र.	आवागमन के साधन	संख्या	प्रतिशत
1	सायकल	35	14.45
2	मोटर सायकल	2	0.78
3	सायकल, मोटर सायकल	13	5.08
4	कुछ नहीं	204	79.69
	कुल	**256**	**100**

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 1.12 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि कमार परिवारों में 35 (14.45 प्रतिशत) परिवारों में आवागमन के लिए सायकल का उपयोग करते है। 02 (0.78 प्रतिशत) कमार परिवारों में आवागमन के लिए मोटर सायकल का उपयोग करते है। सायकल एवं मोटर सायकल से आवागमन के लिए 13 (5.08) परिवारों में करते है। 204 (79.69) प्रतिशत कमार परिवार ऐसे होते है जिनके पास कुछ भी नहीं है। वह पैदल ही आवागमन करते है। क्योंकि निदर्श कमार परिवारों की आय इतनी अधिक नहीं होती वह इन सभी विलासित की वस्तु का उपयोग कर सके।

तालिका 1.13: कमार परिवारों में घरेलू उपभोग की सामग्री

क्र.	घरेलू उपभोग की सामग्री	संख्या	प्रतिशत
1	फर्नीचर/ टेबल	14	5.4
2	कुर्सी	10	3.9
3	आलमारी	9	3.5
4	पलंग	7	2.7
5	टी.वी.	45	17.5
6	मोबाईल	57	22.2
7	गैस चूल्हा	10	3.9

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

तालिका क्रमांक 1.13 के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि कमार परिवारों में फर्नीचर/टेबल का उपयोग 14 (5.4 प्रतिशत) तथा 10 (3.9 प्रतिशत) परिवारों में कुर्सी का उपयोग करते है। कमार परिवारों में 09 (3.5 प्रतिशत) आलमारी, 45 (17.5 प्रतिशत) परिवारों में टी.वी., 7 (2.7 प्रतिशत)

परिवारों में पलंग का उपयोग करते है। इस प्रकार कमार परिवारों में 57 (22.2 प्रतिशत) परिवारों में मोबाईल का उपयोग करते है जो शासन द्वारा वितरित की गई है। 10 (3.9 प्रतिशत) कमार परिवारों में गैस चूल्हा एवं इंडक्शन का उपयोग करते है।

निष्कर्ष एवं सुझाव :- विश्लेषित उपरोक्त आंकड़ों के आधार मानते हुये यह निष्कर्ष निकाला गया कि अध्ययन क्षेत्र के कमार परिवारों की लिंग संरचना के विश्लेषण से यह ज्ञात होता है कि कमार परिवारों की कुल सदस्य संख्या 988 है जिसमें पुरूषों की संख्या 548 (52.53 प्रतिशत) है। इसी प्रकार कमार परिवारों में कुल 402 व्यक्ति अशिक्षित है तथा कुल 586 व्यक्ति शिक्षित है इनमे से 39.55 प्रतिशत पुरूष अशिक्षित एवं 60.45 प्रतिशत महिला अशिक्षित है। 38.89 प्रतिशत पुरूष साक्षर तथा 61.11 प्रतिशत महिला साक्षर है। इससे यह ज्ञात होता है कि पुरूषों की तुलना में महिलाएं कम शिक्षित है। कमार परिवारों में कार्यशील व्यक्ति की कुल जनसंख्या 593 है जिसमें से पुरूष की संख्या 292 (49.24 प्रतिशत), महिला की संख्या 301 (50.76 प्रतिशत) है। इसी प्रकार कमार परिवारों में अकार्यशील पुरूष की संख्या 178 (45.06 प्रतिशत) एवं महिला की संख्या 217(59.54 प्रतिशत) है तथा 79 (30.9 प्रतिशत) पक्का मकान, 30 (11.7 प्रतिशत) कच्चा मकान, 07 (2.7 प्रतिशत) झोपड़ी मकान, 140 (54.7 प्रतिशत) मिश्रित मकान है। 42.6 प्रतिशत कमार परिवारों के आवास में एकलबत्ती कनेक्शन लगा है जो शासन द्वारा प्रदान की गई है। 19.6 प्रतिशत कमार परिवारों के आवास में विद्युत मीटर लगा हुआ है तथा 7.8 प्रतिशत कमार परिवारों में विद्युतीकरण नही हुआ है। 17.19 प्रतिशत कमार परिवार भूमि प्राप्तकर्ता है जबकि 82.8 प्रतिशत कमार परिवार भूमिहीन है। कृषि एवं वनोपज व्यवसाय 42 (16.41 प्रतिशत), मजदूरी एवं वनोपज व्यवसाय 163 (63.67 प्रतिशत), नौकरी 04 (1.56 प्रतिशत) एवं बांस शिल्प 47 (18.36 प्रतिशत) के कार्यो में कमार परिवार सन्लग्न है एवं उनके रोजगार का साधन है। कमार परिवारों की विभिन्न स्त्रोतो से प्राप्त कुल आय 283048.50 रूपये मासिक आय प्राप्त होती है। स्वयं की कृषि से प्राप्त आय 20666.67 रू. (17.30 प्रतिशत), मनरेगा (मजदूरी से) प्राप्त आय 124878.50 रू. (44.12 प्रतिशत) मासिक आय प्राप्त होती है। वनोपज संग्रहण से प्राप्त आय 595558.33 (21.04 प्रतिशत), अन्य व्यवसाय से प्राप्त आय 36450 रू. (12.88 प्रतिशत) तथा शासकीयध्अर्द्धशासकीय व्यवसाय से प्राप्त आय 41500 रू. मासिक आय है। 0-1000 आय वर्ग में सर्वाधिक परिवार की संख्या 185 (72.26 प्रतिशत), सदस्यों की संख्या 65 (67.31 प्रतिशत), परिवार की औसत आकार 3.5 है। 1000-2000 आय वर्ग में परिवार की संख्या 56 (21.88 प्रतिशत), सदस्यों की संख्या 258 (26.11 प्रतिशत) है तथा परिवार का औसत आकार 4.6 है। 2000-3000 आय वर्ग में परिवार की संख्या 10 (3.91 प्रतिशत), सदस्यों की संख्या 47 (4.76 प्रतिशत) एवं परिवार का औसत आकार 4.7 है। 3000-5000 आय वर्ग में परिवार की संख्या 01 (0.39 प्रतिशत), सदस्यों की संख्या 5 (0.51 प्रतिशत), परिवार का आकार 5 है। 5000-10000 आय वर्ग में परिवार की संख्या 01(0.39 प्रतिशत), सदस्यों की संख्या 4(0.40 प्रतिशत),परिवार का औसत आकार 04 है। 10000 से अधिक आय वर्ग में परिवार की संख्या 03(1.17 प्रतिशत) है, सदस्यों की संख्या 11(1.11 प्रतिशत), परिवार का औसत आकार 3.6 है। 0-1000 आय वर्ग वाले परिवार खाद्य पदार्थ पर 26.52 प्रतिशत व्यय, गैर खाद्य पदार्थ पर 72.44 प्रतिशत व्यय तथा 1.31 प्रतिशत बचत करते है। 1000-2000 आय वाले खाद्य पदार्थ पर 21.35 प्रतिशत व्यय, गैर खाद्य पर 76.42 प्रतिशत व्यय तथा 2.23 प्रतिशत बचत करते है। 2000-3000 आय वर्ग वाले खाद्य पदार्थो पर 17.10 प्रतिशत व्यय, गैर खाद्य पदार्थो पर 80.20 प्रतिशत व्यय एवं 2.70 प्रतिशत बचत करते है। 3000-5000 आय वर्ग वाले खाद्य पदार्थ पर 8.52 प्रतिशत व्यय, गैर खाद्य पदार्थ पर 82.84 प्रतिशत व्यय, एवं 3.43 प्रतिशत बचत करते है। 5000-10000 आय वर्ग वाले खाद्य पदार्थ पर 8.52 प्रतिशत व्यय, गैर खाद्य पदार्थ पर 83.04 प्रतिशत व्यय तथा 8.44 प्रतिशत बचत करते है। 10000रू से अधिक आय वर्ग वाले खाद्य पदार्थ पर 5.18 प्रतिशत व्यय, गैर खाद्य पदार्थ पर 85.25 प्रतिशत व्यय तथा 9.57 प्रतिशत बचत करते है। 14.45 प्रतिशत कमार परिवारों में आवागमन के लिए सायकल का, 0.78 प्रतिशत मोटर सायकल, 5.08 प्रतिशत मोटर सायकल एवं सायकल उपयोग करते है तथा 79.69 प्रतिशत के पास आवागमन के साधन कुछ भी नहीं है। 5.4 प्रतिशत फर्नीचर टेबल, 3.8 प्रतिशत कुर्सी, 3.5 प्रतिशत आलमारी, 17.5 प्रतिशत टी.वी. 2.7 प्रतिशत पलंग, 22.2 प्रतिशत मोबाईल तथा 3.9 प्रतिशत कमार परिवारों में गैस चूल्हा एवं इंडक्शन का उपयोग करते है।

विश्लेषण के आधार पर यह सुझाव प्रस्तावित किया जा सकता है कि इस जनजाति के लिए ऐसी योजना का निर्माण करना चाहिए जिनसे उनको संपूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य दी जा सके। अपने व्यवसाय, उपभोग के स्तर, रहन-सह- एवं जीवन स्तर को सुधार सके। कमार जनजाति को समाज के मुख्यधारा से जोड़ने के लिए शिक्षित हो बहुत आवश्यक है ताकि रोजगार के विभिन्न साधनों में कृषि से सामाजिक-आर्थिक एवं सांस्कृतिक विकास को बेहतर बनाया जा सके। स्वास्थ्य के लिए चिकित्सा सुविधा मुहैया कराय जाये क्योंकि जनजातियों में स्वास्थ्य संबंधी समस्या एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने की आवश्यकता है। आवागमन के साधन को और मजबूत किया जाये। शिक्षा के स्तर को बढ़ाने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रेरित किया जाये।

संदर्भ ग्रंथ सूची :-

1. रसेल और हीरालाल (1916): 'द ट्राइब्ज एण्ड कास्टस् ऑफ सेंन्ट्रल प्राविन्सेज ऑफ इंडिया' R-Vol- 3 पे. 323-230
2. तिवारी, राकेश कुमार (1990): 'आदिवासी समाज में आर्थिक परिवर्तन'। नार्दन बुक सेंटर, नई दिल्ली
3. वर्मा, एल.एन. एवं ओमप्रकाश बोरीवाल (2002):'आदिवासी की आर्थिक विकास में ग्रामोलोग की भूमिका (झाबुआ जिला के विशेष संदर्भ में)' समाजाकि सहयोग, शोध प्रबंधन अभिषद श्री कृष्ण संस्थान उज्जैन, अंक - 213 पृ.क्र. 42-50
4. विद्यार्थी (1970): ने जनजातीय जीवन पर परिवर्तन "Vidyarthi, L.P', Cultral Configuration of Ranchi Culcutta, Book land, 1970,P- 67.
5. व्यास, विकास: 'भील आदिवासियों के सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन में विकास योजनाओं की भूमिका' शोध पत्र देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर, 1995.
6. शुक्ला, अर्चना (1999):' मध्यप्रदेश में आदिवासी समाज व विभिन्न

योजनाऐं, शोध प्रकल्प, अंक 07, पृ. क्र. 13-17
7. सिंह, अभय,'आदिवासियों के विकास का आधार' योजना 2009, पृ.57-58
8. सोलंकी, अर्जुन एवं ममता मंडाले, (2010): 'नरेगा का अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के आर्थिक जीवन पर प्रभाव' सामाजिक सहयोग, शोध प्रबंधन अभिषद श्री कृष्ण संस्थान उज्जैन, अंक 73, पृ.क्र. 75-81
9. सैनी, अभिलाषा एवं कश्यप मेजूलता (2007):'आदिवासी अर्थव्यवस्था - स्वरूप एवं प्रकार' रिसर्च डाइजेस्ट, अंक 2, पृ.क्र. 99-101
10. M.S,MEENA,K.M.SINGH ;2015I'झारखंड के आदिवासी प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में ग्रामीण परिवारों के बीच आय की असमानता और निर्धारक' Indian Journal of Agricultural science, 87(1) PP: 92&96, January,2017.

तालिका 1.9: कमार परिवारों का औसत आकार एवं मासिक आय (रू. में)

आय वर्ग	परिवारों की संख्या	परिवार के कुल सदस्य	परिवार का औसत आकार	परिवार की कुल आय	परिवार का औसत आय	औसत प्रति व्यक्ति
0-1000	185 (72.26)	65 (67.31)	3.5	143628.67	776 .37	143628.67
1000-2000	56 (21.88)	258 (26.11)	4.6	70042.17	1250 .75	271 .48
2000-3000	10 (3.91)	47 (4.76)	4.7	23939 .33	2393 .93	509 .35
3000-5000	01 (0.39)	05 (0.51)	5	3034 .17	3034 .17	606 .83
5000-10000	01 (0.39)	04 (0.40)	4	7887 .50	7887 .50	1971 .88
10000 से अधिक	03 (1.17)	11 (1.11)	3.6	344516.-67	11505 .56	3437 .88
	256 (100)	988 (100)	4.2	283048.50	93396 .05	6714 .05

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

तालिका 1.11: कमार परिवारों का खाद्य पदार्थ एवं गैर खाद्य पदार्थो पर मासिक व्यय (प्रतिशत में)

क्र.	पारिवारिक आय वर्ग (रू. में)	खाद्य पदार्थ रू. (प्रतिशत में)	गैर खाद्य पदार्थ रू. (प्रतिशत में)	बचत	योग
1	0-1000	37702.52 (26.52)	104044.66 (72.44)	18981.54 (1.31)	100
2	1000-2000	14954.00 (21.35)	53526.23 (76.42)	1561.94 (2.23)	100
3	2000-3000	4093.63 (17.10)	19199.34 (80.20)	646.36 (2.70)	100
4	3000-5000	429.94 (8.52)	2500.16 (82.84)	104.07 (3.43)	100
5	5000-10000	672.01 (8.52)	6549.78 (83.04)	665.71 (8.44)	100
6	10000 से अधिक	1787.96 (5.18)	29425.46 (85.25)	3303.25 (9.57)	100

स्त्रोत:-व्यक्तिगत सर्वेक्षण

****